विदिशा. सरकारी अस्पताल के मेन गेट के सामने और आसपास इस तरह से फैला है अतिक्रमण।

विदिशा.गर्ल्स कॉलेज गेट से लगकर रखी हैं पान की गुमठियां और चाय नाश्ता के ठेलों से फैल रही अव्यवस्था

नेताओं की शह, शहर में पसरा अतिक्रमण

खास बातें

- **अतिक्रमण पर चुप्पी क्यों?**
- **प्रशासन, जनप्रतिनिधि और शहर के जिम्मेदार कटघरे में**

नवभारत न्यूज

विदिशा 3 मई, शहर की सड़कों पर पसरा अतिक्रमण अब अव्यवस्था नहीं, बल्कि सामूहिक विफलता और सुविधाजनक चुप्पी की कहानी बन चुका है. फर्क बस इतना है कि इस कहानी में खामोश किरदार सिर्फ प्रशासन नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि और शहर के तथाकथित जिम्मेदार लोग भी बराबर के भागीदार हैं.

जब सड़कों, बाजारों , गलियों और कॉलोनियों में खुलेआम कब्जा हो रहा है, तो आखिर किसकी नजर नहीं पड़ रही? या फिर सब कुछ देखते हुए भी नजरें फेर ली गई हैं? दुकानदारों और ठेला संचालकों ने सड़क तक दुकानें फैला ली हैं, जिससे रोज जाम लग रहा है. आम आदमी धूल, भीड़ और खतरे के बीच रास्ता तलाशने को मजबूर है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकताओं में यह मुद्दा कहीं नजर नहीं आता.

सबसे शर्मनाक स्थिति उन स्थानों की है, जहां व्यवस्था और संवेदनशीलता की सबसे ज्यादा जरूरत है. शासकीय कन्या महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और नए जिला अस्पताल के बाहर. यहां बने फुटपाथ, जो आम नागरिकों को पेदल चलने , घूमने और सुरक्षा के लिए थे, अब चाय-पान और बीड़ी-सिगरेट की दुकानों में तब्दील हो चुके हैं. क्या इन इलाकों से रोज गुजरने वाले अधिकारी और जनप्रतिनिधि यह सब नहीं देखते.

फुटपाथ पर व्यापार, सड़क पर वाहन पार्किंग

फिर वहीं पर आ गया सब्जी बाजार

माधवगंज इसका ताजा उदाहरण है.कुछ समय पहले एक हादसे के बाद प्रशासन ने सब्जी और ठेला व्यापारियों को सावरकर बाल विहार के पीछे शिफ्ट किया था, ताकि यातायात सुचारू रहे और भीड़भाड़ नियंत्रित हो सके. उस वक्त कार्रवाई को लेकर प्रशासन ने सख्ती और व्यवस्था का दावा भी किया था. लेकिन अब वही स्थिति फिर लौट आई है. माधवगंज क्षेत्र में दोबारा सब्जी विक्रेताओं और हाथ ठेला संचालकों का अतिक्रमण फैलने लगा है. सवाल यह है कि जब एक बार हादसा हो चुका है और उससे सबक लेकर व्यवस्था बनाई गई थी, तो फिर उसी जगह दोबारा अतिक्रमण कैसे पनप रहा है? क्या प्रशासन की कार्रवाई सिर्फ अस्थायी दिखावा थी. नगर पालिका और प्रशासन की भूमिका भी अब महज औपचारिकता बनकर रह गई है। कभी-कभार अभियान चलाकर फोटो खिंचवाना और फिर सब कुछ पुराने ढर्रे पर छोड़ देना—क्या यही जिम्मेदारी है? अगर नहीं, तो फिर यह ढील किसके इशारे पर है? और सवाल सिर्फ प्रशासन पर नहीं है. जनप्रतिनिधि, व्यापारी संगठन और शहर के प्रभावशाली लोग भी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? क्या सुविधा और स्वार्थ ने जिम्मेदारी को पूरी तरह दबा दिया है?

सड़क ही नहीं नालियों पर भी हो गया अतिक्रमण

अतिक्रमण का असर अब सिर्फ यातायात तक सीमित नहीं रहा—नालियां जाम हैं, गंदगी फैल रही है, जलभराव बढ़ रहा है। यानी शहर की बुनियादी व्यवस्था धीरे-धीरे दम तोड़ रही है, और जिम्मेदार लोग अब भी खामोश हैं. यह चुप्पी अब लापरवाही से आगे बढ़कर मिलीभगत का आभास देने लगी है। अगर ऐसा नहीं है, तो फिर कार्रवाई जमीन पर क्यों नजर नहीं आती? अब शहर जवाब चाहता है—क्या जनप्रतिनिधि सिर्फ चुनाव के समय ही सक्रिय होंगे? क्या प्रशासन केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहेगा? और क्या शहर के जिम्मेदार लोग सिर्फ दर्शक बने रहेंगे?

दोबारा से अतिक्रमण न हो इसकी कार्ययोजना बनाई जाएगी

इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा का कहना है अतिक्रमण हटाए जाने के बाद दोबरा अतिक्रमण हो जाता है. जल्दी ही योजना बनाकर कार्य किया जाएगा. भारतीय दंड संहिता की जो भी धारा होगी लगाई जायेगी. जुर्माना भी किया जाएगा माधवगंज से ठेलों को बाल विहार के पीछे ही शिफ्ट करेंगे. बाजार के अतिक्रमण को भी हटायेंगे.

अतिक्रमण बना कमाई का जरिया, नपा की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

- **नोटिस और समझौते के खेल में फंसा गंजबासौदा**
- **सड़क से सरकारी परिसरों तक पसरा अव्यवस्था का जाल**

गंजबासौदा नगर में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, लेकिन इसे रोकने के बजाय यह कमाई का जरिया बनती नजर आ रही है. आरोप है कि नगर पालिका परिषद के कर्मचारी ही तय करते हैं कि किन अतिक्रमणों को हटाना है और किन्हें बने रहने देना है.

नगर के विभिन्न शासकीय कार्यालयों—विद्यालय, पोस्ट ऑफिस, विद्युत विभाग और लोक निर्माण विभाग की बाउंड्री वॉल से सटकर किए गए अतिक्रमण खुलेआम देखे जा सकते हैं. इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि बरेठ रोड सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में पक्के दुकानदारों और मकान मालिकों को हर साल अतिक्रमण के नोटिस दिए जाते हैं, लेकिन बाद में समझौते कर फाइलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है. नया अधिकारी आने पर फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाती है.ग्रामीणों और व्यापारियों का मानना है कि पहले पक्के अतिक्रमण हटाए जाएं, उसके बाद खोखा-गुमठी संचालकों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराकर उन्हें स्थानांतरित किया जाए, ताकि उनकी आजीविका प्रभावित न हो.नगर के मिल रोड स्थित सब्जी मंडी और रेलवे स्टेशन से जय स्तंभ चौक तक सड़क पर लगने वाले ठेले-गुमठियों के कारण यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है. आरोप यह भी है कि यातायात विभाग द्वारा भी इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है.नागरिकों ने मांग की है कि अतिक्रमण को हटाने के साथ-साथ व्यवस्थित रूप से पुनर्वास की योजना बनाई जाए, ताकि शहर में यातायात सुचारू हो और आम जनता को राहत मिल सके.

पहले समझाया जाएगा उसके बाद होगी कार्यवाही

यातायात प्रभारी आशीष राय का कहना है कि जल्दी ही नगर पालिका, प्रशासनिक अधिकारी, समाज सेवी संस्थाओं, व्यापारी संस्थाओं के यातायात और अतिक्रमण पर बैठक कर लोगों को समझा इस दी जाएगी समझाएं इस ना मानने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी.

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार चल रही

मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गेश सिंह का कहना है कि अतिक्रमण की कार्यवाहियां निरंतर चल रही हैं आगामी समय में एक बैठक भी अतिक्रमण को लेकर प्रस्तावित है बैठक के बाद समझाइए देकर आगामी कार्यवाही की जाएगी.

व्यापारियों की बैठक में अतिक्रमण पर चर्चा हुई थी

विदिशा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेश जैन ने कहा कि 23 अप्रैल को व्यापारियों की बैठक में भी अतिक्रमण पर बात हुई थी अतिक्रमण और शहर की व्यवस्थाओं को लेकर जल्दी ही एक बैठक रखी जाएगी जिसमें नगरीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सामान्य प्रशासन शामिल होंगे. अतिक्रमण पर कार्यवाही प्रशासन को करनी है. हम पूरा सहयोग करेंगे .

किसान की मौत से सियासी हलचल तेज, पूर्व विधायक पर केस दर्ज

- **सिविल लाइन थाने में दर्ज हुई एफआईआर, जांच जारी**

नवभारत न्यूज

विदिशा , हाल ही में हुई किसान की मौत का मामला अब सियासी रंग लेता जा रहा है. ग्राम बैलोट निवासी किसान गोविंद गुर्जर की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं वर्तमान में भाजपा नेता शशांक भार्गव के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप शामिल है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. सूत्रों के मुताबिक, आत्महत्या से पहले किसान ने कुछ गंभीर आरोप लगाए थे, जिससे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक ने अपनी जान को खतरा होने की आशंका भी जताई थी. इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. सूत्रों के अनुसार, इस मामले में गिरफ्तारी की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता. इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या यह महज आत्महत्या का मामला है, या इसके पीछे किसी प्रकार का दबाव, भय या राजनीतिक हस्तक्षेप भी शामिल है. इस संबंध में सीएसपी अतुल सिंह ने बताया कि जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी.

रघुवंश सेवा ट्रस्ट को मिली नई कार्यकारिणी जयसिंह रघुवंशी बने अध्यक्ष

नवभारत न्यूज

विदिशा, श्री रघुवंश सेवा ट्रस्ट, रघुवंशी धर्मशाला की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संपन्न हुई. बैठक में सर्वसम्मति से ट्रस्ट के नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया.

नवगठित कार्यकारिणी में जयसिंह रघुवंशी (खेरूआ वाले) को ट्रस्ट का नया अध्यक्ष चुना गया है.वहीं केशब सिंह (दासखजूरी) उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह (खेरूआ वाले) सचिव, हेमंत सिंह रघुवंशी (सांकलखेड़ा) सह सचिव तथा परमाल सिंह रघुवंशी (रमेश) (संकलखेड़ा) को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है. बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की.सदस्यों ने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में ट्रस्ट समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा और रघुवंशी धर्मशाला के माध्यम से जनकल्याण के कार्य को और गति मिलेगी.नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जयसिंह रघुवंशी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए ट्रस्ट के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया.

जिनदेशना जैन शिविर का शुभारंभ, 210 बच्चों की भागीदारी

नवभारत न्यूज

विदिशा, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं जैन महिला फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय जिनदेशना जैन बाल-युवा शिक्षण शिविर का शुभारंभ रविवार से श्री 1008 शीतलनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, अंदर किला परिसर में हुआ.

सात दिवसीय शिविर में 210 से अधिक बच्चों ने पंजीयन कराया है. शिविर की शुरुआत प्रक्षाल अभिषेक पूजन से हुई, जिसके बाद कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हुआ.सायंकालीन सत्र में भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.ध्वजारोहण पं. शिखर चंद जैन सहित समाज के गणमान्यजनों द्वारा किया गया. पहले दिन करेली से आए पं. अनुभव शास्त्री ने 'लघु जैन सिद्धांत प्रवेशिका' पर व्याख्यान देते हुए तीन लोक के स्वरूप और सर्वज्ञता के महत्व को सरल ढंग से समझाया.

साइकिल वितरण पूरा, पोर्टल अपडेट अधूरा

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिले में हायर सेकेंडरी स्कूल तक के छात्र-छात्राओं के लिए संचालित साइकिल वितरण योजना का भौतिक वितरण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन डिजिटल रिकॉर्ड अब भी पीछे चल रहा है.

आंकड़े बताते हैं कि जमीनी स्तर पर काम लगभग पूरा होने का दावा किया जा रहा है वहीं बावजूद पोर्टल अपडेट में लापरवाही सामने आई है. जानकारी के अनुसार, जिले में कुल 3090 पात्र छात्रों के विरुद्ध 2410 साइकिलें प्राप्त हुई थीं, जिनका वितरण पूर्ण कर दिया गया है. हालांकि, अब तक केवल 1978 साइकिलों की ही पोर्टल पर एंट्री हो सकी है. इससे स्पष्ट है कि 400 से अधिक साइकिलों का वितरण रिकॉर्ड सिस्टम में दर्ज नहीं हो पाया है, जिससे योजना की मॉनिटरिंग और पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है.वहीं, शेष पात्र छात्रों के लिए 680 साइकिलों की अतिरिक्त मांग भी दर्ज की गई है. इससे यह संकेत मिलता है कि जिले में अभी भी कई छात्र योजना के लाभ से वंचित हैं और उन्हें साइकिल उपलब्ध कराना बाकी है. प्रशासन ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए पोर्टल एंट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं.

मामा कोचिंग 10 मई से होगी प्रारंभ

नवभारत न्यूज

विदिशा, केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में 10 मई से प्रारंभ होने वाली विदिशा नगरीय क्षेत्र के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित मामा कोचिंग क्लासेस का अवलोकन किया.उन्होंने बताया कि यह कोचिंग 10 मई से प्रारंभ होने जा रही हैं. विदिशा जिले के गरीब बेटे-बेटियां जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं वह मामा कोचिंग में विशेष शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मामा कोचिंग एक अभिनव प्रयास है जिसमें एमपीपीएससी से लेकर अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गरीब बच्चे पढ़ सकेंगे.

भीषण गर्मी में आश्रम के प्रभुजनों को मिली शीतल जल की सौगात

नवभारत न्यूज

विदिशा, अपना घर आश्रम में रह रहे 130 मानसिक दिव्यांग, बेसहारा, लावारिस एवं असहाय प्रभुजनों को भीषण गर्मी में राहत देने के लिए आश्रम के आजीवन सदस्य जगदीश सचिन कोठारी परिवार, विदिशा ने वाटर कूलर भेंट किया.लोकार्पण वरिष्ठ समाजसेवी सुखदेव लड्डा ने किया.कार्यक्रम में आश्रम के संस्थापक एवं संरक्षक बाबूजी बिट्ठल दास डांगरा, माहेश्वरी समाज विदिशा के अध्यक्ष निलेश सुरजन, जगदीश कोठारी, गोपाल दास राठी, विशाल मोहता, संजय राठी, आदित्य राठी, श्रवण लड्डा, घनश्याम डागा, अतुल शाह, सीएल गोयल सहितसंस्थाओं के सदस्य, विट्ठल नगर कॉलोनी के निवासी, आश्रम के पदाधिकारी एवं सेवासाथी उपस्थित रहे. आश्रम प्रबंधन ने बताया कि कोठारी परिवार प्रारंभ से ही आश्रम से जुड़ा है और आजीवन सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहा है. आश्रम में वाटर कूलर की अत्यंत आवश्यकता थी. दानदाता परिवार की इस सेवा भावना की सभी ने सराहना की. अपना घर आश्रम में आश्रय पाए प्रभुजनों को सेवा, उपचार एवं पुनर्वास के बाद स्वस्थ होने पर उनके परिजनों को सौंपा जाता है.

मंगलवार को मामा नि:शुल्क विवाह महोत्सव, 101 कन्याओं का विवाह

नवभारत न्यूज

गुलाबगंज. नगर में 5 मई मंगलवार को मामा निश्शुल्क कन्या विवाह महोत्सव का आयोजन शासकीय स्कूल परिसर में किया जाएगा. कार्यक्रम में 101 जोड़ों का विवाह संपन्न होगा. संयोजक राकेश कटारे के अनुसार केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक मुकेश टंडन सहित जनप्रतिनिधि शामिल होंगे. 101 दूल्हों की बारात सुबह 9 बजे सिद्ध श्री हनुमान मंदिर से निकलेगी, जिसका नगर में स्वागत होगा. प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सामग्री उपहार में दी जाएगी.

योजना | **जल गंगा संवर्धन योजना को रफ्तार**

20 से ज्यादा कुएं-बावड़ियों की सफाई शुरू, डंडापुरा में चला विशेष

नवभारत न्यूज

विदिशा, शहर में जल संरक्षण को लेकर जल गंगा संवर्धन योजना के तहत व्यापक अभियान चलाया जा रहा है. इस योजना के अंतर्गत नगर के पुराने और उपेक्षित कुओं तथा बावड़ियों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का कार्य तेजी से जारी है. नगर पालिका द्वारा शहर में 20 से अधिक ऐसे जल स्रोत चिन्हित किए गए हैं, जो वर्षों से उपेक्षा और गंदगी के कारण अपनी उपयोगिता खो चुके थे. इसी क्रम में रविवार को डंडापुरा क्षेत्र में एक पुराने कुएं की सफाई का अभियान चलाया गया. नगर पालिका के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर कुएं में जमा कचरा, मिट्टी, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्री को बाहर निकाला. बताया गया कि यह कुआं लंबे समय से बंद पड़ा था और पूरी तरह कचरे से भर चुका था, जिससे इसका जल स्रोत भी प्रभावित हो गया था. अधिकारियों के अनुसार, मानसून से पहले सभी चिन्हित कुओं और बावड़ियों की सफाई कर उन्हें रेनवाटर हार्वेस्टिंग के लिए तैयार किया जाएगा. इससे वर्षा जल का संचयन संभव हो सकेगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी और गर्मी के मौसम में जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है. साथ ही यह पहल शहर की ऐतिहासिक जल संरचनाओं को संरक्षित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है. समाजसेवी सोहेल बबलू अहमद ने बताया कि प्रारंभिक सूची में डंडापुरा का यह कुआं शामिल नहीं था, लेकिन स्थानीय लोगों के प्रयासों से इसे भी इस अभियान में जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक बाद इस कुएं की सफाई हो रही है. कचरे के कारण यह पूरी तरह भर चुका था और अनुपयोगी हो गया था. अब इसकी सफाई से न केवल जल स्तर में सुधार होगा, बल्कि भविष्य में यहां जल उपलब्धता भी सुनिश्चित हो सकेगी. स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए प्रशासन से ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखने की मांग की है, ताकि शहर में जल संकट की समस्या से स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें.

विदिशा में और नदी लौट आई उपन्यास पर समीक्षा-पर्व संपन्न

- **विविध क्षेत्रों के विद्वानों ने सराहा**
- **नायक श्रीधर को बताया आदर्श**

नवभारत न्यूज

विदिशा, 3 मई, प्रेरणा-मंच के तत्वावधान में शनिवार को डॉ श्रीमती कमल चतुर्वेदी के उपन्यास और नदी लौट आई पर समीक्षा-पर्व का आयोजन किया गया. श्रीमती ज्योति जाधव के सौजन्य से हुए इस कार्यक्रम में विज्ञान, गणित, विधि और शिक्षा जगत की हस्तियों ने उपन्यास की साहित्यिक विवेचना की.

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ. सेंट मेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ धीरेन्द्र सचान ने उपन्यास को सच्चे और निष्कलंक प्रेम की कथा बताया जो हर उम्र के लिए पठनीय है. प्रोफेसर अरविन्द द्विवेदी ने संवाद शैली और चरित्र चित्रण को श्रेष्ठ कहा, वहीं आईआईएचआरडी कॉलेज के डायरेक्टर प्रो संजय सिंह चौहान ने इसे प्रेम की नाजुक अनुभूतियों को जगाने वाला उपन्यास बताया.

नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष ज्योति शाह ने कहा कि वर्तमान संदर्भों में यह उपन्यास अधिक प्रभावशाली है. श्रीमती पूनम भार्गव ने नायक श्रीधर को त्यागी, उदात्त और नायिका रुचिरा का सच्चा पथप्रदर्शक बताया.डॉ सुदीप शुक्ल ने इसे पाठकों के मन पर स्थाई प्रभाव छोड़ने वाला उपन्यास कहा. लेखिका डॉ0 कमल चतुर्वेदी ने बताया कि यह रचना जीवन-संघर्ष से उपजा गंभीर प्रसंग है. उत्तरार्द्ध में नदी का मंजिल तक लौट आना एकनिष्ठ प्रेम का प्रतीक है. इस अवसर पर डॉ दीप्ती शुक्ल, डॉ रेखा श्रीवास्तव, श्रीमती कुसुम सिंह तोमर, रेखा वर्मा, माया सिंह सहित कई रचनाकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं. अध्यक्षता कर रहे गोविन्द देवलिया ने कार्यक्रम को सर्वथा नवीन और सकारात्मक बताया. संचालन श्रीमती ज्योति जाधव ने किया.